सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-368
29/08/2016

बाढ़ आकलन के लिये केन्द्र सरकार जल्द भेजे विशेषज्ञों की टीम :– मुख्यमंत्री

पटना, 29 अगस्त 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार भागलपुर एवं कटिहार जिला के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा कर पटना लौटने के उपरान्त स्टेट हैंगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि भागलपुर एवं कटिहार के बाढ़ राहत शिविरों में गया था। आज कटिहार के कुर्सेला, बरारी, अमदाबाद के बाढ़ पीड़ित इलाकों एवं राहत शिविरों को देखा। इलाके में जलजमाव की स्थिति है, जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है परन्तु अभी पानी निकलने में समय लगेगा। कटिहार ने इस वर्ष दो बार बाढ़ की त्रासदी देखी है। प्रथम दौर में नेपाल में भारी बारिश होने से महानंदा एवं अन्य नदियों में उफान आया था। पूरे पूर्णिया प्रमण्डल में काफी नुकसान हुआ था। एक चौथाई से ज्यादा लेाग प्रभावित हुये थे। कटिहार के लोग फिर दूसरी बार गंगा नदी के उफान के कारण आयी बाढ़ से प्रभावित हैं। हमने पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया है। बाढ़ राहत शिविरों में लोगों से बातचीत की है। राहत कार्य को देखा है, राहत कार्य संतोषजनक है। पानी कम होने पर फसल क्षति, गृह क्षति एवं अन्य क्षति का आकलन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के लिये लंगर की व्यवस्था की गयी है। पशुओं के लिये चारा का भी प्रबंध है। पशुओं की चिकित्सा के लिये पशु चिकित्सक लगाये गये हैं। राहत शिविरों में बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की गयी है। राहत शिविर में रह रहे लोगों के भोजन करने के लिये थाली, ग्लास, कटोरा आदि का इंतजाम किया गया है। बच्चों के लिये दूध का भी इंतजाम है। लोगों को मदद पहुॅचाने के लिये हर मूमकिन प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ के प्रभाव का आकलन किया जायेगा, नुकसान बहुत ज्यादा हुआ है। कल पूर्णिया, किशनगंज एवं अररिया में समीक्षा किया था। पहले दौर के बाढ़ में 350 करोड़ रूपये से ज्यादा के नुकसान का आकलन किया गया है। दूसरे दौर के बाढ़ से प्रभावित बारह जिलों में हुये नुकसान का आकलन किया जायेगा। बड़े पैमाने पर राशि की जरूरत होगी। केन्द्र सरकार को मेमोरेंडम भेजा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूॅ कि बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिये विशेषज्ञों का दल जल्द से जल्द भेजा जाय। जैसे कोसी त्रासदी के दौरान किया गया था, जिससे बाढ़ की स्थिति का सही रूप से आकलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि राहत का कार्य ठीक ढ़ंग से चल रहा है। राहत कार्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पानी घटने के बाद दवा एवं ब्लीचिंग पाउडर का भी छिड़काव करने का निर्देश दिया गया है, इसमें स्थानीय लोगों, पंचायतों की भी मदद ली जाय ताकि कार्य को ससयम सम्पन्न किया जा सके।

******